पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने कविता संग्रह का लोकार्पण किया

लखनऊः 22 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव द्वारा लिखित कविता संग्रह 'खिलते फूल महकता आंगन' का लोकार्पण किया। श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव के चार वर्ष की उम्र में एक रेल दुर्घटना में उनके दोनों हाथ कट गये थे उन्होंने अपने पैरों से लिखना प्रारम्भ किया। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी हार न मानते हुए उच्च शिक्षा ग्रहण की। वर्तमान में श्रीमती श्रीवास्तव बाल परियोजना अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें कई राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के पुरस्कार एवं सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।

राज्यपाल ने उनकी कविताओं की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कवितायें जीवन के अनुभव के आधार पर सरल, सीधी एवं सीधे हृदय तक पहुँचने वाली भाषा में लिखी गयी हैं। उनका काव्य हृदय को छुने वाला है। श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव का संघर्षमय जीवन दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है जिन्हें नौकरी भी अनुकम्पा नहीं योग्यता एवं कुशलता के आधार पर मिली। राज्यपाल ने इस अवसर पर उनकी कई कविताओं जैसे 'स्तनपान की आवश्यकता क्यों', 'लिंग भेद', और 'माँ मेरी प्रतिभा पहचानो' के कुछ अंश भी पढ़कर सुनाये।

पत्रकार एवं विख्यात हास्य कवि, डा॰ सर्वेश अस्थाना ने कहा कि श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव विशेष प्रतिभा की धनी हैं। उनका जीवन संघर्षपूर्ण रहा है मगर उनमें समाज के लिये कुछ करने का हौसला है।

माननीय श्री रामनाईक राज्यपाल उत्तर प्रदेश
द्वारा
कवयित्री एवं लेखिका श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव द्वारा रचित पुस्तक
" खिलते फूल महकता आंगन "
का लोकार्पण
22 मई, 2015